of India with regard to such reference for arbitration by DGCA ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) In the strike notice dated 24-11-92, the following issues were mentioned :—

Reduction of basic pay of Commanders.

Not adhering to the training programme and acting in violation of existing award and settlements regarding career pattern.

Not honouring commitments/obligations.

Creating an atmosphere of fear.

(b) A Memorandum of Settlement was signed by the Indian Airlines Management and the Indian Commercial Pilots' Association on 2-3-93 in respect of the four issues contained in the strike notice dated 24-11-92. Besides, a Memorandum of Understand was also signed by both the parties on 21-2-1993 revising the rates of Meal Allowance admissible to the pilots.

(c) and (d) Yes, Sir.

Construction of Hotels and Yatri Niwas in Arunachal Pradesh

75. SHRI NYODEK YONGGDAM : Will the Minister OF CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether there is, any proposal under Government's consideration to construct hotels and "Yatri Niwas" in Arunachal Pradesh under Central assistance for promotion of tourism in the State during the financial year; and

(b) if so, what is the total amount of fund earmarked in this regard ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) and (b) No proposal has been received in this regard from the Government of Arunachal Pradesh during the current year.

दिल्ली से उत्तर भारत के पर्यटक स्थलों के लिए इमदादी वायु सेवाएं

76. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से दिल्ली से उत्तर भारत के विभिन्न पर्यटक स्थलों के लिए इस समय इंडियन एयरलाईंस के अतिरिक्त किन-किन संस्थाओं द्वारा वायु सेवाएं चलाई जा रही हैं और इन सेवाओं के अंतर्गत आने वाले स्थान कौन-कौन से हैं;

(ख) किन-किन स्थानों पर इमदादी वायु सेवाएं संचालित की जा रही हैं जहां उक्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं;

(ग) क्या इनमें से कुछ स्थानों पर स्थानीय यात्रियों को किराए में रियायत दी जा रही है;

(घ) यदि हां, तो ऐसे स्थानों के नाम क्या-क्या हैं;

(ङ) क्या पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से उत्तर भारत के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के लिए चलाई जा रही वायु सेवाओं की संख्या में पिछले दो वर्षों में हुई वृद्धि में कमी करने का सरकार का विचार है; और

(च) यदि हां, तो कम की जाने वाली वायु सेवाओं का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) जी हां। इस समय उत्तरी भारत में पर्यटक रूचि के स्थानों के लिए निम्नलिखित सेवाओं का प्रचालन कर रहा है :--

(1) दिल्ली-देहरादून-दिल्ली

(2) दिल्ली-चण्डीगढ़-कुल्लू और वापस

(3) दिल्ली-शिमला-कुल्लू और वापस

(4) दिल्ली-चण्डीगढ़-धर्मशाला और वापस

(5) दिल्ली-कुल्लू-दिल्ली

(6) दिल्ली-शिमला-दिल्ली

इनके अतिरिक्त निजी आपरेटर अर्थात् मैसर्स जगसन एयरलाइन्स, ट्रांस भारत एविएशन इंडिया इन्टरनेशनल एयरवेज और सिटी लिंक एयरवेज द्वारा खजुराहो और शिमला के लिए भी हवाई टैक्सी सेवाओं का प्रचालन किया जाता है।

(ख) से (घ) लेह सैक्टर को लिए और वहां से इंडियन एयरलाइन्स के अंतर्देशीय हवाई किराये उत्तर पूर्व को छोड़कर इतनी ही दूरी के अन्य सैक्टरों पर लागू किरायों की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत कम रखे गये हैं। यह किराया सभी भारतीय नागरिकों पर लागू होता है।

(ङ) जी, नहीं।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

देश में आयोजित मेलों एवं उत्सवों में आने वाले पर्यटक

77. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में आयोजित ऐसे मेले एवं उत्सव कौन-कौन से हैं जिनमें प्रतिवर्ष देश एवं विदेशों से सर्वाधिक पर्यटक आते हैं;

(ख) क्या भारतीय पर्यटन विकास निगम भी पर्यटन की दृष्टि से प्रसिद्ध इस प्रकार के मेलों और उत्सवों को बढ़ावा देने के लिए कोई आर्थिक सहायता प्रदान करता है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और गत वर्ष किन-किन मेलों/उत्सवों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई और प्रत्येक मेले/उत्सव को उपलब्ध कराई गई राशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) वर्ष 1993-94 के दौरान किन-किन स्थानों के लिए ऐसी सहायता उपलब्ध कराए जाने की योजना है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) देश में बड़ी संख्या में आयोजित किए जाने वाले मेलों और उत्सवों को स्वदेशी और विदेशी पर्यटक देखने आते हैं। तथापि, इनमें आने के लिए कोई विशेष प्रवेश द्वार नहीं होता है, इसलिए यह बता पाना संभव नहीं है कि कौन-कौन से उत्सव संख्या की दृष्टि से अधिक पर्यटकों को आकृष्ट करते हैं।

(ख) पर्यटन विभाग (न कि भारत पर्यटन विकास निगम) 65 अभिनिर्धारित मेलों और उत्सवों को वित्तीय सहायता मुहैया कराता है।

(ग) सूचना संलग्न विवरण-1 में दी गई है **(नीचे देखिए)**

(घ) अभिनिर्धारित मेलों और उत्सवों की सूची विवरण-2 में दी गई है **(नीचे देखिए)**। वित्तीय सहायता राज्य सरकारों से प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों पर उनके गुण-दोषों, पारस्परिक प्राथमिकताओं और धन की उपलब्धता को ध्यान में रख कर जारी की जाती है।